No. of Printed Pages : 6

MEC–008

M. A. (ECONOMICS) (MEC)

Term-End Examination

December, 2025

MEC–008 : ECONOMICS OF SOCIAL SECTOR AND ENVIRONMENT

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer questions from both the Sections as per instructions.*

Section—A

Note : *Answer any* ***two*** *questions from this Section in about* ***700*** *words each.* 2×20=40

1. Explain the concept of public good. Discuss how optimal provision of public goods is determined.
2. Define the concept of multidimensional poverty. Explain how it can be measured.

3. Discuss the various types of health insurance mechanisms to pool health risks. Should user-charges be levied for public healthcare services ? Justify.

4. Do you agree with the statement that "Private sector can provide quality of higher education" ? Substantiate your answer with the relevant empirical evidence.

Section—B

Note : *Answer any* ***five*** *questions from this Section in about* ***400*** *words each.* 5×12=60

5. Distinguish between use value and non-use value of environment. Provide suitable examples to substantiate your answer.

6. Provide a brief account of market-based policy instruments for reduction of environmental pollution.

7. In the context of green accounting, explain why System of Environmental and Economic Auditing (SEEA) is considered to be an improvement over conventional System of National Accounts (SNA).

8. Briefly describe the methods for measuring the economic value of education.

9. "The linkage between poverty and environment is a two-way process." Discuss.
10. Critically examine the major arguments in support of government intervention in an economy.
11. What is meant by 'tragedy of commons' in the context of common property resources ? Give suitable examples.
12. Write short notes on the following :
    (a) Types of educational financing in India
    (b) Agency problem and moral hazard

MEC–008

एम. ए. (अर्थशास्त्र) (एम. ई. सी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.ई.सी.-008 : सामाजिक क्षेत्र और पर्यावरण का अर्थशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *दोनों भागों से यथानिर्देश प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

भाग—क

नोट : *इस भाग से किन्हीं* ***दो*** *प्रश्नों के उत्तर लगभग* ***700*** *शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए।* $2\times20=40$

1. लोकार्थ (सार्वजनिक) पदार्थ की संकल्पना की व्याख्या कीजिए। चर्चा कीजिए कि लोकार्थ पदार्थों का इष्टतम प्रावधान किस प्रकार निर्धारित किया जाता है।
2. बहुआयामी गरीबी की संकल्पना की परिभाषा दीजिए। व्याख्या कीजिए कि इसका मापन किस प्रकार हो सकता है।

3. स्वास्थ्य जोखिम संकलन के लिए विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य बीमा प्रक्रियाओं पर चर्चा कीजिए। क्या सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रयोक्ता शुल्क लागू किए जाने चाहिए ? औचित्य सिद्ध कीजिए।

4. क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि "निजी क्षेत्र गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान कर सकता है" ? उपयुक्त आनुभाविक साक्ष्यों के साथ अपने उत्तर का पक्षपोषण कीजिए।

भाग—ख

नोट : *इस भाग से किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए।* $5 \times 12 = 60$

5. पर्यावरण के उपयोग मूल्य तथा गैर-उपयोग मूल्य में भेद कीजिए। अपने उत्तर के पक्ष में उपयुक्त उदाहरण प्रदान कीजिए।

6. पर्या-प्रदूषण निवारण के लिए बाजार आधारित नीति उपस्करों का संक्षिप्त विवरण प्रदान कीजिए।

7. हरित लेखांकन के संदर्भ में समझाइए कि क्यों पर्या एवं आर्थिक अंकेक्षण प्रणाली [SEEA] को परंपरागत राष्ट्रीय [SNA] लेखांकन प्रणाली से बेहतर माना जाता है।

8. शिक्षा के आर्थिक मूल्यमान के मापन की विधियों का संक्षिप्त विवरण प्रदान कीजिए।

9. "गरीबी और पर्यावरण के बीच सम्बन्ध (एक) द्विपक्षीय प्रक्रिया है।" चर्चा कीजिए।

10. अर्थव्यवस्था में सरकारी हस्तक्षेप के पक्ष में प्रमुख तर्कों की समीक्षा कीजिए।

11. साझा संपदा संसाधनों के संदर्भ में 'सांझे की त्रासदी' का क्या अर्थ है ? उपयुक्त उदाहरण दीजिए।

12. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भारत में शिक्षा वित्तीयन के प्रकार

(ख) वृहत्त (भूमिका) समस्या और नैतिक द्वंद्व

× × × × ×